पाठ 2

xfM;k jkuh dh 'kknh

गहरी, मित्रता, तय करना, मदद, माला, बधाई गाना, जुट जाना

चंपा और मंजु दो थीं। दोनों में गहरी मित्रता थी। चंपा के पास थी। मंजु के पास था। दोनों रोज शाम को में खेलती थीं। उनके भी पास–पास थे। में भी वे एक साथ पढ़ती थीं।

एक दिन दोनों ने तय किया कि वे और की शादी करेंगी। अगले दिन से ही वे शादी की तैयारी में जुट गईं। दोनों ने अपनी–अपनी माँ से मदद माँगी। इधर चंपा की माँ ने का लहंगा और दुपट्टा बनाया। उधर मंजु की माँ ने का कुर्ता और तैयार की। सब मित्रों को शादी का निमंत्रण कार्ड भेजा गया। शादी के दिन सूरज की माँ ने फूलों की दो बना दीं। भैया मिठाई की दुकान से और ले आए। उन्होंने पंडित को भी बुलवाया। रामू काका ने बजाया और ने बधाई गाई। इस तरह और की शादी हुई।

शिक्षण संकेत :–

1.पाठ पढ़ने का अभ्यास पूर्व से ही कर लें।
2.पाठ का आदर्श वाचन करते समय प्रश्नोत्तर तकनीक का उपयोग करें।
3.बारी–बारी से सभी बच्चों से वाचन करवाएँ।

शब्दार्थ

गहरी	= अच्छी, गाढ़ी।	मित्रता	= दोस्ती।
तय करना	= निश्चित करना।	जुट जाना	= किसी काम में लगना।
मदद	= सहायता।	माला	= हार।
बधाई गाना	= शादी के गीत गाना।		

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ अपनी भाषा में बताओ –

मित्रता, माला, मदद, तय करना, बधाई गाना

2. सही क्या है –

1.चंपा के पास ..... (गुड़िया थी/गुड्डा था।)
2.चंपा और मंजू के घर ..... । (पास–पास थे/दूर–दूर थे।)
3.गुड्डा व गुड़िया की शादी के लिए उन्होंने .....
सहायता माँगी,
(माँ से/पिता से)
4.मंजू की माँ ने ..... कपड़े बनाए। (गुड्डे के/गुड़िया के)
5.सूरज की माँ ने ..... (मिठाई बनाई/मालाएँ बनाईं)
6.रामू काका ने .....(ढोलक बजाया/बधाई गाई)

3. अपनी सहेलियों/मित्रों के नाम लिखो –

4. तुमने अपने गाँव/घर में शादियाँ देखी होंगी। शादियों में क्या – क्या होता है, उसके बारे में बताओ।

5. क्या तुमने अक्ती (अक्षय तृतिया) त्यौहार के बारे में सुना है। यह त्यौहार कैसे मनाया जाता है, पता करो।

6. चित्र देखकर नाम लिखो–

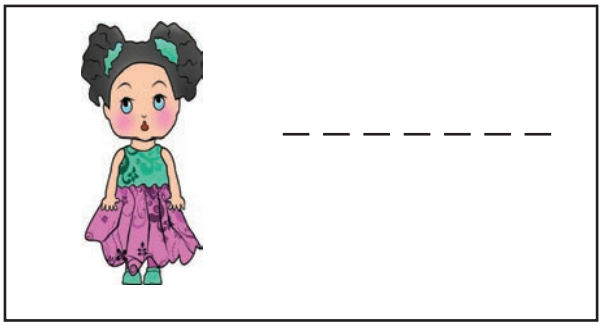

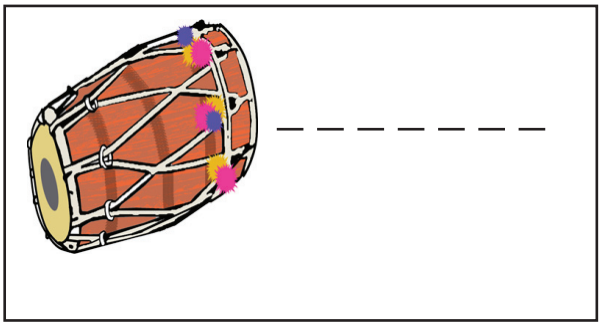

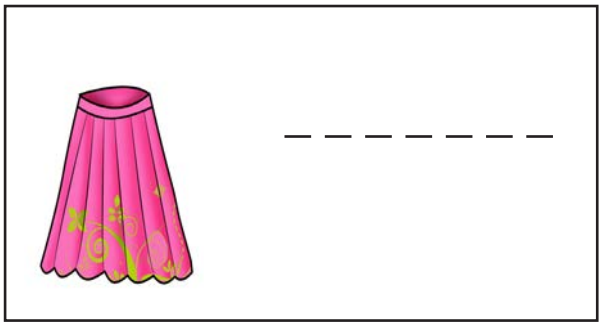

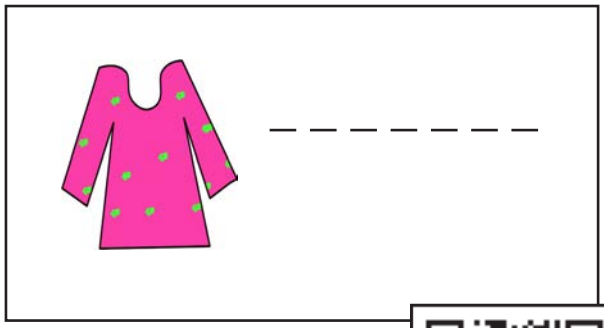

— — — — — — — —

— — — — — — — —

— — — — — — — —

— — — — — — — —

2T5275

7. अपने घर में पुराने कपड़ों से गुड़िया और गुड्डा बनाओ।

8. बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो और रंग भरो।